एक नजर में

बजरंगियों ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

मुलताई। बजरंग दल मुलतापी के बजरंगियों ने रविवार की शाम खिडकी जुन्नारदेव से वापसी के दौरान रेवरदही पिपरिया के पास हुई स ?क दुर्घटना मे घायल 3 वर्षीय मासूम बालक को वाहन रुकवाकर अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान घायल बालक से साथ मौके पर पाए गए एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस बजरंगीयो सागर बजरंगी , दिपांशु साहू, जतिन डोहरे,चेतन चौपड़ा, धनराज फरकाडे ने तुरंत बजरंग दल मुलतापी के सागर साहू बजरंगियों ने बोरदही पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी एवं बजरंग दल बोरदही की के जिला संयोजक राधे विश्वकर्मा तत्काल जानकारी देकर बजरंग दल द्वारा सहायता दी गई।

गुजरात से नाबालिग को किया दस्तयाब

मुलताई। मुलताई पुलिस द्वारा मुस्कान अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग को गुजरात से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौपा है।थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि 21 अप्रैल को पीड़िता की मां ने मुलताई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी की उसकी नाबालिग बेटी 19 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने आशंका जताई थी कि उसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाया गया है। पुलिस द्वारा ने इस मामले में धारा 137 (2) भारतीय न्याय संहिता में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।बैतूल पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी और एसडीओपी एसके .सिंह के मार्गदर्शन में निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम को गुजरात के मेहसाणा जिले भेजा गया। 25 अप्रैल को नाबालिग बालिका को मेहसाणा से सकुशल बरामद कर सुरक्षित मुलताई लाकर सोमवार को उसके परिजनों को सौंप दिया गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अमित पवार, प्रधान आरक्षक सोनू ठाकुर और आरक्षक शिवराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

बैतूल। बैतूल बाजार पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोप में फरार चल रहे पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी के सिर पर पत्थर मारकर हत्या करने और शव को ताप्ती नदी में फेंकने की बात कबूल की है। उसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। यह मामला 19 अप्रैल 2026 का है। ग्राम गांडवा निवासी बिमला बाई चढ़ोकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी बाली बाई सुबह करीब 10 बजे ताप्ती नदी पर कपड़े धोने और नहाने गई थी। लगभग एक घंटे बाद गांव के धनाराम बारस्कर ने सूचना दी कि नदी किनारे खेत के पास बाली की चप्पल और कपड़े पड़े हैं, लेकिन वह वहां नहीं है। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर तलाश शुरू की, जिसके बाद बाली बाई का शव ताप्ती नदी के पानी में मिला। शव को बाहर निकालने पर उसके सिर के पीछे करीब डेढ़ इंच गहरी चोट पाई गई, जिससे खून बह रहा था। इससे हत्या की आशंका जताई गई। प्रारंभिक जांच में ही परिजनों ने मृतका के पति मोंगिया जावरकर पर संदेह व्यक्त किया था, क्योंकि वह घटना के बाद से ही फरार हो गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर पर गंभीर चोट के कारण मृत्यु की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की।

निर्माण कार्यों का अनिवार्य रूप से कराएं सोशल ऑडिट : कलेक्टर

नवभारत न्यूज

बैतूल, 27 अप्रैल. कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा बैठक में जिले की विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए बनाएं एकीकृत प्लान

राशन वितरण से कोई भी पात्र वंचित न रहे

उन्होंने कहा कि पेयजल संकट से प्रभावित ग्रामों में जहां ट्यूबवेल और हैंडपम्प स्वीकृत कर उनके कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाएं, ताकि आमजन को परेशानी न जाएं। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने राजस्व अधिकारियों को भू-अर्जन एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई करने और ऐसी कॉलोनियों की सूची रजिस्ट्री कार्यालय में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन सतर्क रह सके। जनगणना कार्य की समीक्षा करते हुए उन्होंने शत-प्रतिशत शासकीय कर्मचारियों की स्व-गणना पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में पीएम राहत एवं हिट एंड रन प्रकरणों की समीक्षा कर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ सोनवणे ने कहा कि सभी शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से राजस्व विभाग में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की शिकायतों पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अवैध शराब के विक्रय और परिवहन पर निरंतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही नगरीय निकायों में भविष्य की जल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए समग्र जल आपूर्ति योजना तैयार करने तथा जल संसाधन विभाग के साथ समन्वय बनाकर एकीकृत कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया।

राशन दुकानों के निरीक्षण के लिए एसडीएम को दिये निर्देश

राशन दुकानों के निरीक्षण के लिए एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न मिलने में किसी प्रकार की बाधा न हो। जिन लोगों के जाति प्रमाण पत्र नहीं बने हैं, उनका सर्वे कर अभियान चलाकर प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए गए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें

कलेक्टर डॉ सोनवणे ने जनपदों में हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल राशि आहरण कर कार्य अधूरा या मानकहीन नहीं होना चाहिए। सभी निर्माण कार्यों का सोशल ऑडिट अनिवार्य रूप से कराया जाए, अन्यथा संबंधित जनपद सीईओ के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए स्थापित कंट्रोल रूम का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने, शिकायतों का त्वरित निराकरण करने तथा एसडीएम और जनपद सीईओ द्वारा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबल पंजीयन के लंबित आवेदनों का अभियान चलाकर निराकरण करने और शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने को कहा गया।

छात्रावासों में मानक के अनुरूप भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करें

स्वास्थ्य विभाग को संस्थागत प्रसव और टीकाकरण में प्रगति लाने, स्कूल शिक्षा विभाग को साइकिल, गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकों का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनजातीय कार्य विभाग को स्मार्ट क्लास एवं कंप्यूटर लैब क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने छात्रावासों में पोषण मानकों के अनुरूप भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने, अधीक्षकों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण आयोजित करने तथा छात्रावास संचालन के लिए एसओपी प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी को सभी पोषण पुनर्वास केंद्रों का बेहतर संचालन कर 100 प्रतिशत ऑक्युपेंसी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में अपर कलेक्टर वंदना जाट सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

माचना पुनर्जीवन अभियान के तहत श्रमदान कर निकाली जलकुंभी

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम द्वितीय चरण अंतर्गत जिले की जीवनदायिनी मां माचना नदी को जल खरपतवार जलकुंभी से मुक्त करने के लिए रविवार को सदर क्षेत्र के घाट पर प्रात: 7 से 9 बजे तक विशेष श्रमदान अभियान आयोजित किया गया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष मोहन नागर के नेतृत्व में 50 से अधिक श्रमदानियों ने नदी से जलकुंभी निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी

नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्र की नदियों एवं जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने हेतु सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया कि यह अभियान प्रत्येक रविवार प्रात: 7 बजे निरंतर संचालित किया जाएगा। साथ ही नगरपालिका प्रशासन द्वारा मशीनों के माध्यम से भी जलकुंभी निकालने का कार्य किया जाएगा। श्रमदान के पश्चात पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं माचना जन्मोत्सव समिति के संयोजक आनंद प्रजापति, ग्रीन टाइगर्स के प्रमुख तरुण वैद्य, नगरपालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने नागरिकों से इस अभियान में जुड़कर सहयोग करने का आह्वान किया। इस अभियान में पर्यावरण संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं नगर के जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाएं, ग्रीन टाइगर्स, मां माचना जन्मोत्सव समिति, नगरपालिका बैतूल, वार्डवासी उपस्थित थे।

न्यायाधीशों ने कानूनी जानकारी देकर किया जागरूक

मुलताई। नगर के वसंत इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष सत्र न्यायाधीश संजय भलावी,अधिवक्ता संघ अध्यक्ष चंद्रशेखर चंदेल,विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों में कानून के प्रति जागरूकता फैलाना तथा उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी प्रदान करना था। मंच की पृष्ठभूमि में लगाए गए आकर्षक एवं संदेशात्मक पोस्टरों के माध्यम

से भारतीय संविधान, मौलिक अधिकार, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण एवं साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। न्यायाधीश श्री भलावी ने अपने संबोधन कानून की जानकारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया। अन्य अतिथियों ने भी सामाजिक उत्तरदायित्व, यातायात नियमों के पालन तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

खेल प्रशिक्षण शिविरों का सफल आयोजन किया जाए

बैतूल। आरोह 2026 अंतर्गत ग्रीष्मकालीन खेलों के प्रशिक्षण शिविरों के सफल आयोजन को लेकर कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने जिला खेल अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी आयोजन स्थलों पर खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित खेल मैदानों में साफ-सफाई, पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था नगर पालिका के माध्यम से कराई जाए। साथ ही शिविर स्थलों पर प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने कहा कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों का सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण वातावरण मिल सके। उन्होंने महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ नवीन गर्ग, डीएफओ अरिहंत कोचर, जिला खेल अधिकारी पूजा कुरील सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आप कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर फूंके पुतले

बैतूल। बैतूल के अंबेडकर चौक पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा और पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं के खिलाफ नाराजगी जताई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से पुतले दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है और विपक्षी दलों को तोड़ने की कोशिशें लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जनमत से चुनी गई सरकारों और दलों को अस्थिर करने की राजनीति ठीक नहीं है। आप के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय

सोनी ने कहा कि भाजपा द्वारा लगातार ऑपरेशन लोटस चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विपक्षी दलों को कमजोर करना है। उन्होंने हाल ही में कुछ राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने पर भी नाराजगी जताई और कहा कि इससे जनता के विश्वास को ठेस पहुंचती है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे ईडी और सीबीआई का उपयोग विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उनका कहना था कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और निष्पक्ष राजनीति के खिलाफ है। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रतीकात्मक पुतले जलाए।

स्व-गणना के लिए आमजन को प्रोत्साहित करने के दिए निर्देश

बैतूल। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने 27 अप्रैल को आयोजित टीएल बैठक में समस्त विभागों को आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि स्व-गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं स्वगणना पोर्टल पर आगामी 30 अप्रैल 2026 तक अपने विवरण को सरल, त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से दर्ज कर सकते हैं, जिससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि डेटा की शुद्धता भी सुनिश्चित होगी। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं आमजन को स्व-गणना की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करें तथा अधिक से अधिक लोगों को इसमें सहभागिता के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि स्व-गणना से संबंधित प्रचार-प्रसार गतिविधियों को तेज किया जाए, जिससे जिले में इस अभियान को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सके।

खाद बीज विक्रेताओं ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मुलताई। नगर के खाद,बीज, कीटनाशक दवाई विक्रेता कृषि आदान विक्रेता संघ द्वारा सोमवार को प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौपा है।संघ द्वारा सौपे गए ज्ञापन मे बताया कि खाद पर जबरन लिंकिंग पर पूर्ण पूर्ण प्रतिबंध: उर्वरक निर्माता कंपनियों द्वारा सब्सिडी वाले खाद के साथ अनुपयोगी उत्पादों की %जबरन लिंकिंग% को अपराध घोषित किया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्णय की तर्ज पर पूरे देश में अनुदानित उर्वरक के साथ गैर-अनुदानित उत्पाद बेचने की बाध्यता पर रोक लगे। खाद की डिलीवरी डीलर के बिक्री केंद्र तक कंपनियों द्वारा सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में यूरिया जैसे खाद की डिलीवरी रेल-हेड पर दी जा रही है, जिससे डीलरों को प्रति बैग 40 से 50 रुपये का अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ रहा है।बढ़ती लागत और महंगाई को देखते हुए उर्वरकों पर डीलर मार्जिन को बढ़ाकर कम से कम 8 प्रतिशत किया जाए। ग्रामीण खुदरा विक्रेताओं के लिए इस पोर्टल को वैकल्पिक बनाया जाए और इसकी अनिवार्यता केवल निर्माताओं एवं थोक विक्रेताओं तक सीमित रखी जाए। अवैध बीजों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगे या अधिकृत डीलरों को विनियमित बिक्री की अनुमति दी जाए। खाद, बीज एवं कीटनाशक के सीलबंद पैकिंग में नमूना होने पर विक्रेता को अपराधी नहीं, बल्कि केवल गवाह माना जाए। चूंकि विक्रेता जिला कृषि अधिकारी से प्राप्त लाइसेंस के आधार पर केवल सीलबंद माल बेचता है, अत: गुणवत्ता की पूर्ण जिम्मेदारी निर्माता कंपनी की होनी चाहिए। कंपनियों के लिए पुराने या एक्सपायर्ड स्टॉक को वापस लेना कानूनी रूप से अनिवार्य किए सहित अन्य मांगो को पूरी करने की मांग की है, अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी है।

43 डिग्री पहुंचा तापमान, स्कूल बंद, आंगनबाड़ियों का संचालन

बैतूल। जिले में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को तापमान 43 डिग्री था। अधिकतम तापमान में अचानक उछाल के कारण लोगों को तेज लू और झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार तापमान में बढोत्तरी और तेज धूप के कारण दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही काफी कम देखी गई, लोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकले रहे है। भोपाल मौसम केंद्र द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मध्यप्रदेश के कई हिस्सों सहित बैतूल में

अगले दो दिनों तक हीटवेव (लू) की स्थिति बनी रहने की संभावना है। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर गरज-चमक और आंधी की भी आशंका जताई गई है, हालांकि इससे तापमान में खास राहत मिलने के आसार कम हैं। नर्सरी से 8वीं तक के स्कूल बंद, इधर

आंगनवाड़ियां चालू

बैतूल में भीषण गर्मी के कारण प्रशासन ने नर्सरी से आठवीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने यह आदेश जारी किया है। जारी आदेश के तहत, जिले के सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई, केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में नर्सरी से कक्षा आठवीं तक की कक्षाएं अगले आदेश तक बंद रहेंगी, लेकिन जिले में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद नहीं किया गया है। इन केंद्रों में 3 से 6 साल की उम्र के बच्चों को पोषण आहार के साथ अनौपचारिक शिक्षा दी जाती है। बच्चे सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहते हैं, जबकि स्टाफ के लिए संचालन दोपहर 3 बजे तक होता है। अधिकांश केन्द्रों पर गर्मी से बचाव के लिए सुविधाओं की भारी कमी देखी जा सकती है।

बैठक जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

कलेक्टर ने अवैध खनन और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

बैतूल, 27 अप्रैल. कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट में खनिज, श्रम एवं वन विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित हुई।

संयुक्त कार्रवाई के लिए स्थाई प्रोटोकॉल तैयार करें

बैठक में मौजूद रहे विभागों के अधिकारी

बैठक में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने स्पष्ट कहा कि जिले में किसी भी स्थिति में खनिज का अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण नहीं हो। इसके लिए खनिज, राजस्व, पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि संयुक्त कार्रवाई के लिए एक स्थायी (स्टैंडिंग) प्रोटोकॉल तैयार किया जाए, ताकि नियमित और प्रभावी कार्रवाई हो सके। उन्होंने अवैध माइनिंग में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। साथ ही अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों के विरुद्ध भी सख्ती से कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही ईंट भट्टे के संचालन में अवैध रूप से कोयला का उपयोग करने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही करें। बैठक में वन विभाग से संबंधित लंबित अतिक्रमण एवं विस्थापन प्रकरणों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ सोनवणे ने इन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भारतीय वन अधिनियम की धारा 5 से 17 के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा। इसके अलावा वन ग्रामों से जुड़े दावे-आपत्तियों के प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए सभी स्तरों पर त्वरित और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए गए। वन क्षेत्र में अतिक्रमण से जुड़े मामलों पर भी गंभीरता से कार्रवाई कर समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने कहा कि बाल श्रमिकों का नियोजन कहीं भी न हो, श्रम विभाग और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। बैठक में डीएफओ नवीन गर्ग, डीएफओ अरिहंत कोचर, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, जिला खनिज अधिकारी मनीष पालीवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाएं

बैतूल। जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट में एनकोर्ड एनसीओआरडी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने की। बैठक में नशीली दवाओं की रोकथाम, मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों पर नियंत्रण, सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुदृढ़ बनाने, तथा जिले में अफीम, भांग जैसी मादक फसलों की अवैध खेती की निगरानी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने, एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों और

मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के प्रभावी संचालन और पर्यवेक्षण पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने निर्देश दिए कि जिले में अवैध मादक फसलों की खेती पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने पिछले वर्ष रानीपुर क्षेत्र में अफीम की खेती के प्रकरण सामने आने का उल्लेख करते हुए कृषि, राजस्व और वन विभाग को संयुक्त रूप से निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों एवं कॉलेजों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही जिला अस्पताल में नशे के आदी व्यक्तियों के लिए काउंसलिंग एवं डी-एडिक्शन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक्शन प्लान बनाने के निर्देश भी दिए।